



एक छात्र की गांड मार ली मैंने

“गे स्टूडेंट सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी कोचिंग में आने वाले एक चिकने से लड़के को पहले लंड चुस्वाया, फिर उसकी गांड तेल लगा कर मारी.

”

...

Story By: [ऐस फकर \(B2thefucker\)](#)

Posted: Tuesday, August 23rd, 2022

Categories: [गे सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [एक छात्र की गांड मार ली मैंने](#)

एक छात्र की गांड मार ली मैंने

गे स्टूडेंट सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी कोचिंग में आने वाले एक चिकने से लड़के को पहले लंड चुस्वाया, फिर उसकी गांड तेल लगा कर मारी.

सुखपाल नाम का एक लड़का मेरी कोचिंग में आता था।

अंकित की तरह वो भी थोड़ा लापरवाह था तो मैंने उसके साथ भी मस्ती शुरू कर दी। इस गे स्टूडेंट सेक्स कहानी में उसी लड़की की गांड चुदाई का मजा लें.

कभी उसे किस करता कभी उसके दूध मसल देता, कभी उसकी गाण्ड दबा देता।

वो भी मेरे साथ काफ़ी खुल चुका था लेकिन उसने कभी मुझे उसके कपड़े उतारने नहीं दिये और बिना कपड़े उतारे मैं उसके साथ कुछ नहीं कर सकता था।

कुछ दिन ऐसे ही चलता रहा.

फिर एक दिन मैंने उसके हाथ अपने लंड पर रखवा दिये और उसके हाथ से अपने लंड को मसलने लगा।

मुझे बहुत मजा आ रहा था.

कुछ दिन तक ऐसे ही हम दोनों एक दूसरे के लण्ड मसलने के मजे लेते रहे।

फिर एक दिन मैंने उसका लण्ड और गांड देखने की जिद कर ली तो उसने बोला- भैया, पहले आप दिखाओ।

मैंने उससे पूछा- अगर मैंने अपना लण्ड दिखाया तो तुम्हें एक बार किस करना पड़ेगा मेरे लण्ड को और उसे चूसना भी होगा. या फिर हम दोनों ही अपना अपना लण्ड बाहर निकाल

लेते हैं. जिसका लण्ड बड़ा होगा, दूसरा आदमी उसका लण्ड चूस देगा.

इतने दिन में उसके लण्ड को ऊपर से मसलते हुए मुझे यह तो पता चल चुका था कि उसका लण्ड मेरे लण्ड से छोटा है।

पहले तो उसने मना किया लेकिन कुछ देर बहस करने के बाद मैंने कहा- या तो मैं उसके लण्ड और गांड को देखूंगा या वह मेरा लण्ड चूस देगा वरना आज उसको घर नहीं जाने दूंगा।

वह कुछ देर सोचता रहा, फिर बोला- ठीक है भैया. आप दिखाओ पहले ... फिर मैं भी दिखाता हूं।

मैंने पैट की जिप खोलकर ना लण्ड बाहर निकाला.
तो वह कुछ देर देखता रहा.

फिर मैंने उसको अपना लण्ड बाहर निकालने को बोला.
तो वह शर्मने लगा.

मैंने जबरदस्ती उसकी पैन्ट उतार दी.
पैन्ट के साथ उसके अंडरवियर भी उतर गई.
तो वह अपने हाथ से लण्ड को छुपाने लगा.

मैंने उसके हाथ साइड कर दिये और देखा तो उसकी छोटी सी लुल्ली थी।

अब शर्त के मुताबिक उसको मेरा लण्ड चूसना था.
पर वह नाटक करने लगा.
तो मैंने उसे उसकी पैन्ट देने से मना कर दिया.

मैं बोला- जब तक तू मेरा लण्ड नहीं चूसेगा, तब तक मैं तुझे पैन्ट नहीं दूंगा. अब अगर बिना पैन्ट और अंडरवियर के घर जाना चाहता है तो तेरी मर्जी है।

वह फिर भी अपने लण्ड को छुपाते हुए खड़ा रहा तो मैं उसके पास गया और पीछे से चिपक के खड़ा हो गया।

मेरा खड़ा लण्ड जो अभी भी पैन्ट से बाहर था उसकी नंगी गांड में घुसने की कोशिश करने लगा।

इससे उसको गुदगुदी होने लगी.

फिर मैंने भी अपने लण्ड को उसके गांड में दबाना शुरू कर दिया.

उसको भी मजा आने लगा लेकिन शर्म से वह आगे खिसक रहा था।

मैंने पीछे से उसकी कमर पकड़कर गर्दन पर किस करना शुरू कर दिया और लण्ड से उसकी गांड में हल्के हल्के झटके लगाना शुरू कर दिया।

मैं उसके पेट पर अपना हाथ घुमाने लगा, फिर धीरे-धीरे उसकी लुल्ली को अपने हाथ में लेकर मसलने लगा जिससे उसकी आह निकलने लगी।

थोड़ी देर में मैंने उसके कान में पूछा- मजा आ रहा है ?

तो उसने हां में जवाब दिया।

मैंने कुछ देर ऐसे ही करते हुए उसे मेरी और घुमा लिया और उसके होठों पर किस कर दिया।

फिर उसे नीचे जमीन पर लिटा कर मैंने उसकी लुल्ली को चूसना शुरू किया तो वो और भी मस्त हो गया।

कुछ देर उसकी लुल्ली को चूसने के बाद मैंने उसको 69 में लिटा कर अपना लण्ड उसके

मुंह में देने लगा.

लेकिन वह अब भी नाटक कर रहा था तो मैंने उठ कर मेरे लेफ्ट हाथ से उसके दोनों हाथों को ऊपर की तरफ बांध दिया और अपना लण्ड उसके मुंह में घुसा दिया।

वह मेरे से परेशान होकर कहीं मेरे लण्ड को काट ना ले इसलिए मैंने अपने दूसरे हाथ से उसके मुंह को खोल कर रखा।

अब मैंने उसके मुंह में धक्के लगाने शुरू किया और कुछ देर में अपना माल उसके मुंह में छोड़ दिया।

उसके बाद उसको मैंने जब पूछा कि उसे मेरा माल कैसा लगा तो उसने कहा- थोड़ा नमकीन था।

फिर कुछ देर बाद हम दोनों का वही खेल शुरू हो गया.

इस बार वह मेरा लण्ड मजे से चूस रहा था तो मैंने भी अपनी एक उंगली उसकी गांड में घुसा दी।

इससे वह उचक गया और अपनी कमर ऊपर उठाने लगा.

लेकिन मैंने उंगली बाहर नहीं निकाली।

एक तरफ उसके मुंह को लण्ड से और दूसरी ओर उसकी गांड को उंगली से चोद रहा था.

कुछ देर में मैंने फिर से पानी उसके मुंह में छोड़ दिया.

अब उसके घर जाने का टाइम हो गया तो मैंने भी उसे जाने दिया।

हमारा यह खेल फिर काफी दिनों तक चला और एक दिन मुझे मौका मिला अपने लण्ड से उसकी गांड खोलने का!

एक दिन रविवार को मेरे घर में कोई नहीं था, सब लोग बाहर गए हुए थे।
इस बारे में मैंने उसे शनिवार को ही बता दिया था और रविवार को उसे अपने घर बुला लिया।

मुझे घर का कोई काम नहीं था क्योंकि खाना भी पड़ोस में आंटी के यहां खाना था।

मैं उसके आते ही उसे बेड पर ले गया और उसके ऊपर बैठ गया।

उसके सब कपड़े निकालने के बाद उसके हाथ डोरी से पलंग के ऊपर के हिस्से से बांध दिया और उसके पूरे बदन को चूमने लगा।

कुछ देर बाद मैंने उसे उल्टा लिटा दिया, फिर धीरे-धीरे ऊपर से नीचे तक उंगली घुमाने लगा।

इससे वह मस्त होने लगा तो मैंने नारियल का तेल लेकर उसके गांड में लगाया और एक उंगली उसकी गांड में घुसा दी और अंदर बाहर करने लगा।

कुछ देर ऐसे ही करते हुए दूसरी उंगली भी घुसा दी।

इससे उसको थोड़ा दर्द हुआ।

कुछ देर तो उंगली से गांड चोदने के बाद अब बारी थी मेरे लण्ड की!

तो मैंने लण्ड को अच्छे से तेल से तेल में भिगो दिया और उसके ऊपर आ गया।

अब अपने लण्ड को उसकी गांड पर रगड़ते हुए लण्ड के टोपे को गांड के अंदर दबाने लगा।
मेरी उंगली अभी भी उसके गांड में ही थी।

अब अपनी उंगली गांड में से निकालकर मैंने लण्ड को अंदर डालना शुरू किया।

मेरे लण्ड का टोपा अंदर जाते ही वो दर्द से हिलने लगा।

तो मैंने थोड़ा और तेल अपने लण्ड पर गिरा लिया और धीरे-धीरे धक्के लगाने लगा.

कुछ देर में उसका दर्द कम होने लगा और वह मजे से आहें भरने लगा, साथ साथ ही मेरा लण्ड उसके गांड में जगह बनाने लगा.

मैंने धीरे-धीरे धक्का लगाते हुए आधा लण्ड गांड में डाल दिया, फिर थोड़ा और तेल उसकी गांड में गिरा कर और अपने लण्ड पर भी लगाकर एक जोर के झटके के साथ पूरा लण्ड उसकी गांड में उतार दिया.

इससे उसकी चीख निकल गई और वह छटपटाने लगा.

मैंने उसके हाथ बाँध रखे थे तो वह ज्यादा कुछ नहीं कर सका.

उसके मुंह को मैंने उसी की टीशर्ट से बंद कर दिया ताकि घर से बाहर किसी को सुनाई ना दे।

अब मैंने बेफिक्र होकर जोर जोर से धक्के मारने शुरू कर दिया.

मेरे हर झटके के साथ उसकी गू गू की आवाज आ रही थी।

फिर मैंने उसके हाथ पैर खोल दिये और वह मजे से गांड मरवाने लगा।

जब कुछ देर बाद मैं थक जाता तो लण्ड बाहर निकाल लेता ... लेकिन मैंने अपना पानी नहीं निकलने दिया.

ऐसे इस तरह मैं एक सवा घंटे तक उसकी गांड को बिना पानी निकाले चोदता रहा.

और बाद में अपना सारा माल उसकी गांड में निकाल दिया।

फिर वहां से दोनों एक साथ बाथरूम में नहाने गए.

वहीं पर मैंने उसे शावर के नीचे घोड़ी बनाकर गांड मारी.

इतने सबके बाद हम दोनों थक गए.

हम लोगों ने थोड़ा कुछ खाया.

फिर शाम को वह अपने घर चला गया.

इसके बाद हमारा यह खेल कुछ हफ्ते और चला फिर मैं अपने गांव चला गया ।

गे स्टूडेंट सेक्स कहानी पर अपने विचार मुझे कमेंट्स में भेजिए.

B2thefucker@protonmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी मौसी मेरे सामने नंगी हो गई

Xxx मौसी सेक्स कहानी में पढ़ें कि मेरे मम्मी पापा मेरे सामने ही सेक्स करते थे. मेरी मौसी भी पड़ोस में रहती हैं. एक रात मैं उनके घर सोया. तब क्या हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मैं आपका राज शर्मा मेरी पिछली [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की बाँस संग मेरा यौन प्रसंग- 1

गरम पड़ोसन सेक्स कहानी मेरी एक दोस्त की बाँस से मेरी मुलाकात की है। दो बार की मुलाकात में ही हम दोनों एक दूसरे के जिस्मों के प्यासे हो गए। क्या ये प्यास पूरी हो पाई ? नमस्कार दोस्तो, कविता भाभी [...]

[Full Story >>>](#)

सावन की झड़ी में सहकर्मी लड़की के साथ

ऑफिस स्टाफ सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक दिन बरसात में मुझे मेरी सहकर्मी लड़की का फोन आया. उसे रास्ते से घर छोड़ने गया मैं ! हम भीग गए थे. उसने मुझे घर में बुला लिया. नमस्कार, मेरा नाम अरुण सिंह [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बीवी की अजब दीवानगी

लंड चूसने के लिए पागल, सेक्स की भूखी मेरी बीवी जबरदस्त माल है. वो पहले ऐसी नहीं थी. पर एक बार मैंने उसे लंड चुसवाया तो उसे इतना अच्छा लगा कि ... दोस्तो, मेरा नाम राज है मेरी उम्र 40 [...]

[Full Story >>>](#)

क्यूट भाभी को चोदकर प्यार हो गया- 3

न्यू गांड की चुदाई का मौका मुझे एक प्यारी सी भाभी ने दिया. उसने अपने पति को भी अपनी गांड मरने नहीं दी थी. मैंने बड़े प्यार से उसकी चूत के बाद गांड मारी. नमस्कार दोस्तो, मेरी अपनी सेक्स कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

